राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिषन

एन0आर0एल0एम0 भारत सरकार द्वारा संचालित बड़े पैमाने पर गहन रूप से समुदाय द्वारा संचालित गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम है। एस0जी0एस0वाई0 के संचालन में जो कमियां रहीं थी जैसे कि ग्रामीण परिवारों का असामान्य गठन,सदस्यों को अनुपयुक्त क्षमतावर्द्धन, बैंको द्वारा पर्याप्त ऋण वितरण का अभाव एवं कार्यक्रम कियान्वयन करने हेतु सक्षम प्रोफेसनल्ष क अभाव इत्यादि को राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिषन के अन्तर्गत दुरूस्त करने का प्रयास किया गया है। माह जून 2011 में स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना (ळैल) के स्थान पर भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिषन (छत्स्ड) का संचालन आरम्भ किया गया है। प्रारम्भ में यह योजना कुछ ही राज्यों में संचालित थी परन्तु 01.04.2013 से सम्पूर्ण देष के समस्त विकास खण्डों में संचालित की जाने लगी है।

योजनान्तर्गत समूह गठन हेतु अर्हता निम्न प्रकार है–

1. समूह के सभी सदस्य महिलायें होंगी।
2. समूह में कम से कम 70 प्रतिषत सदस्य बी0पी0एल0 श्रेणी के होंगे।

जनपद गौतमबुद्धनगर नॉन इन्टेन्सिव जनपदों में चयनित है। वित्तीय वर्ष 2016–17 में योजनान्तर्गत निर्धारित लक्ष्यों के सापेक्ष प्रगति निम्न प्रकार है–

क्र0सं0	मद	लक्ष्य	पूर्ति	प्रतिशत प्रगति
1	समूह गठन	25	36	144 :
2	रिवॉल्विंग फण्ड	25	30	120 :
3	बैंक केडिट लिंकेज	20	20	100 :

जनपद एन0सी0आर0 क्षेत्र एवं औद्योगिक दृष्टि से उन्नत होने के कारण उक्त योजनान्तर्गत पात्र व्यक्ति कम ही उपलब्ध हैं फिर भी योजनान्तर्गत प्रगति अर्जित करने का प्रयास किया जाता है।